मध्य प्रदेश बजट विश्लेषण

2025-26

मध्य प्रदेश के वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने 12 मार्च, 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया।

बजट के मुख्य अंश

- 2025-26 के लिए मध्य प्रदेश का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी)** (वर्तमान मूल्यों पर) 16,94,477 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 की तुलना में 13% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** 3,75,335 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान से 14% की वृद्धि है। इसके अलावा राज्य द्वारा 29,980 करोड़ रुपए का ऋण चुकाया जाएगा।
- 2025-26 के लिए **प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर)** 2,96,435 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 11% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **राजस्व अधिशेष** जीएसडीपी का 0.04% (618 करोड़ रुपए) होने का अनुमान है, जबकि 2024-25 में संशोधित अनुमान चरण में राजस्व अधिशेष जीएसडीपी का 0.07% (1,026 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी का 4.7% (78,900 करोड़ रुपए) रहने का लक्ष्य है। संशोधित अनुमानों के अनुसार, 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4.2% रहने की उम्मीद है, जो बजट में जीएसडीपी के 4.1% से अधिक है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **युवा मामले**: अगले पांच वर्षों में राज्य के हर संभाग में मध्य प्रदेश प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना की जाएगी। राज्य में कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।
- गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को नई मुख्यमंत्री समृद्ध परिवार योजना के तहत योजनाओं का पैकेज दिया जाएगा। इस योजना के लिए 2025-26 में 100 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
- **कृषि एवं किसान कल्याण**: मुख्यमंत्री कृषक उन्नति योजना के लिए 850 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इस योजना के तहत किसानों को फसल विविधीकरण अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा।

सृष्टि सिंह
shrusti@prsindia.org

8 अप्रैल, 2025

मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था

- **जीएसडीपी**: 2023-24 में मध्य प्रदेश की जीएसडीपी (स्थिर मूल्यों पर) पिछले वर्ष की तुलना में 6% बढ़ने का अनुमान है। इसकी तुलना में, भारत की जीडीपी 2023-24 में 9.2% बढ़ने का अनुमान है।
- **क्षेत्र**: 2023-24 में कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों का मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था में क्रमशः 46%, 18% और 36% योगदान देने का अनुमान है (वर्तमान मूल्यों पर)।
- 2023-24 में कृषि क्षेत्र (स्थिर मूल्यों पर) में 2022-23 की तुलना में 3.4% वृद्धि का अनुमान है। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 7.4% की वृद्धि का अनुमान है। 2022-23 में इसमें 6.3% की वृद्धि हुई थी। सेवा क्षेत्र में 2023-24 में 6.9% की वृद्धि का अनुमान है, जो पिछले वर्ष (11.7%) की तुलना में कम है।
- **प्रति व्यक्ति जीएसडीपी**: 2023-24 में मध्य प्रदेश की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी (मौजूदा कीमतों पर) 1,56,381 रुपए होने का अनुमान है, जो 2022-23 की तुलना में 8.1% की वृद्धि है। 2023-24 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,15,935 रुपए होने का अनुमान है।

रेखाचित्र 1: मध्य प्रदेश में स्थिर मूल्यों पर (2011-12) जीएसडीपी

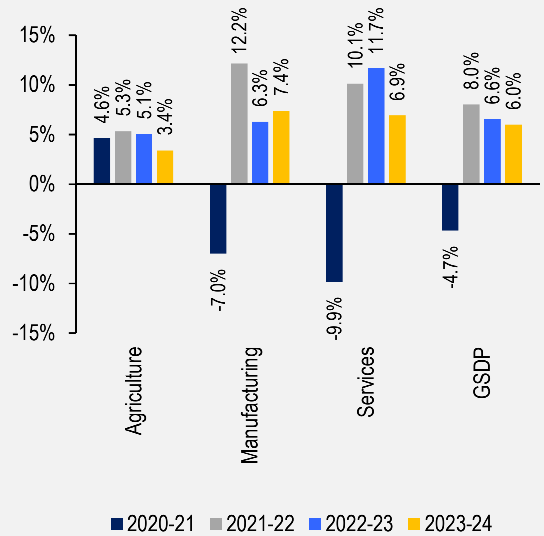

नोट: ये आंकड़े स्थिर कीमतों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है। स्रोत: एमओएसपीआई; पीआरएस।

2025-26 के लिए बजट अनुमान

- 2025-26 में 3,75,335 करोड़ रुपए के **कुल व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** का लक्ष्य है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 14% की वृद्धि है। यह व्यय 2,96,435 करोड़ रुपए की **प्राप्तियों (उधारियों को छोड़कर)** और 78,771 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा किया जाना प्रस्तावित है। 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियों (उधारों के अलावा) में 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 11% की वृद्धि होने की उम्मीद है।
- राज्य ने 2025-26 में जीएसडीपी के 0.04% (618 करोड़ रुपए) के **राजस्व अधिशेष** का अनुमान लगाया है, जबकि 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण में जीएसडीपी के 0.07% (1,026 करोड़ रुपए) का राजस्व अधिशेष है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 4.7% (78,900 करोड़ रुपए) पर लक्षित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 4.2%) से अधिक है।

तालिका 1: बजट 2025-26- मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
कुल व्यय	3,00,522	3,56,078	3,55,080	-0.3%	4,05,315	14%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	21,636	29,697	26,716	-10%	29,980	12%
शुद्ध व्यय (E)	**2,78,886**	**3,26,381**	**3,28,363**	**0.6%**	**3,75,335**	**14%**
कुल प्राप्तियां	2,99,581	3,58,250	3,55,482	-0.8%	4,05,186	14%
(-) उधारियां	65,180	94,431	89,552	-5%	1,08,751	21%
*जिनमें केंद्रीय कैपेक्स ऋण**	12,636	9,500	12,300	29%	11,000	-11%
शुद्ध प्राप्तियां (R)	**2,34,401**	**2,63,819**	**2,65,930**	**0.8%**	**2,96,435**	**11%**
राजकोषीय घाटा (E-R)	**44,485**	**62,562**	**62,433**	**-0.2%**	**78,900**	**26%**
जीएसडीपी का %	3.3%	4.1%	4.2%		4.7%	
राजस्व अधिशेष	**12,488**	**1,700**	**1,026**	**-40%**	**618**	**-40%**
जीएसडीपी का %	0.9%	0.1%	0.07%		0.04%	
प्राथमिक घाटा	**21,387**	**35,162**	**35,556**	**1.1%**	**50,264**	**41%**
जीएसडीपी का %	1.6%	2.3%	2.4%		3.0%	
जीएसडीपी	13,63,327	15,22,220	15,03,395	-1.2%	16,94,477	13%

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। *केंद्र सरकार 2020-21 से राज्य सरकारों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण प्रदान कर रही है। इन ऋणों को राज्य की उधार सीमा की गणना से बाहर रखा गया है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में व्यय

- 2025-26 के लिए **राजस्व व्यय** 2,90,261 करोड़ रुपए प्रस्तावित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज, अनुदान और सबसिडी पर होने वाला व्यय शामिल है।
- 2025-26 के लिए पूंजीगत परिव्यय 82,513 करोड़ रुपए प्रस्तावित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 27% अधिक है। पूंजीगत परिव्यय परिसंपत्तियों के निर्माण पर होने वाले व्यय को दर्शाता है।
- 2025-26 में राज्य द्वारा ऋण और अग्रिम (एडवांस) 2,561 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 5% अधिक है।

लाड़ली बहना योजना पर व्यय

2025-26 में मध्य प्रदेश ने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के लिए 18,669 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जो अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 6.4% है। 2023-24 में राज्य ने इस योजना पर 14,734 करोड़ रुपए खर्च किए। इस योजना की घोषणा जनवरी 2023 में की गई थी। शुरुआत में महिला लाभार्थियों को 1,000 रुपए प्रति माह दिए जाते थे, जिसे बाद में संशोधित कर 1,250 रुपए प्रति माह कर दिया गया। महाराष्ट्र, कर्नाटक, छतीसगढ़, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्य अब महिलाओं के लिए नकद अंतरण योजनाएं लागू कर रहे हैं। बिना शर्त नकद अंतरण योजनाओं को लागू करने से लाभार्थियों की खपत क्षमता को सुधारने में मदद मिल सकती है।

तालिका 2: बजट 2025-26 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	2,21,538	2,61,644	2,60,983	-0.25%	2,90,261	11%
पूंजीगत परिव्यय	56,539	61,633	64,930	5%	82,513	27%
राज्य द्वारा दिए गए ऋण	810	3,103	2,450	-21%	2,561	5%
शुद्ध व्यय	**2,78,886**	**3,26,381**	**3,28,363**	**1%**	**3,75,335**	**14%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

प्रतिबद्ध व्यय: राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। बजट के एक बड़े हिस्से को प्रतिबद्ध व्यय की मदों के लिए आवंटित करने से पूंजीगत परिव्यय जैसी अन्य व्यय प्राथमिकताओं पर फैसला लेने का राज्य का लचीलापन सीमित हो जाता है। 2025-26 में मध्य प्रदेश द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 1,28,340 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 44% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 24%), पेंशन (10%), और ब्याज भुगतान (10%) पर खर्च शामिल है। 2023-24 में, वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, राजस्व प्राप्तियों का 42% प्रतिबद्ध व्यय पर खर्च किया गया।

तालिका 3: 2025-26 में प्रतिबद्ध व्यय (करोड़ रुपए में)

प्रतिबद्ध व्यय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
वेतन	52,077	64,898	61,069	16%	70,743	16%
पेंशन	21,966	25,648	25,382	-1%	28,961	14%
ब्याज भुगतान	23,098	27,400	26,877	-2%	28,636	7%
कुल	**97,141**	**1,17,945**	**1,13,328**	**-4%**	**1,28,340**	**13%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

क्षेत्रवार व्यय: 2025-26 के दौरान मध्य प्रदेश के बजटीय व्यय का **66%** हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में मध्य प्रदेश के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: मध्य प्रदेश बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %	बजटीय प्रावधान (2025-26)
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	40,491	48,087	45,372	51,509	14%	▪ प्राथमिक शिक्षा के लिए 25,499 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सामाजिक कल्याण एवं पोषण	27,842	34,049	32,449	34,580	7%	▪ मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना के लिए 18,669 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ऊर्जा	28,024	24,891	30,496	34,130	12%	▪ अटल गृह ज्योति योजना के लिए 7,132 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	15,265	22,193	20,041	23,822	19%	▪ अटल किसान ज्योति योजना के लिए 13,909 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ 5 एचपी कृषि पंपों को मुफ्त बिजली आपूर्ति के लिए 5,299 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	16,310	21,714	20,750	23,813	15%	▪ शहरी स्वास्थ्य सेवाओं-एलोपैथी के लिए 12,816 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं-एलोपैथी के लिए 2,133 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	11,760	9,832	13,654	20,124	47%	▪ जल जीवन मिशन - राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल मिशन के लिए 17,136 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	16,168	12,998	16,768	17,214	3%	▪ लघु एवं सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं के लिए 501 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ लघु सिंचाई योजनाओं के लिए 200 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ग्रामीण विकास	12,151	16,350	14,878	15,166	2%	▪ राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के लिए 4,050 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
परिवहन	13,108	9,386	10,018	12,941	29%	▪ सड़कों और पुलों पर पूंजीगत परिव्यय के लिए 10,421 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
पुलिस	8,442	10,663	10,642	12,197	15%	▪ जिला पुलिस के लिए 6,918 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सभी क्षेत्रों पर कुल व्यय का %	**68%**	**65%**	**66%**	**66%**		

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में प्राप्तियां

- 2025-26 के लिए **कुल राजस्व प्राप्तियां** 2,90,879 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है। इसमें से 1,30,556 करोड़ रुपए (45%) राज्य **अपने संसाधनों से** जुटाएगा और 1,60,323 करोड़ रुपए (55%) **केंद्र से** प्राप्त होंगे। केंद्र से मिलने वाले संसाधन केंद्रीय करों में राज्य के हिस्से (राजस्व प्राप्तियों का 38%) और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 17%) के रूप में होंगे।
- **हस्तांतरण**: 2025-26 में केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा 1,11,662 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है।
- 2025-26 में **केंद्र से अनुदान** 48,661 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 13% अधिक है।
- **राज्य का स्वयं कर राजस्व**: मध्य प्रदेश का कुल स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 1,09,157 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 14% अधिक है। 2025-26 में जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 6.4% अनुमानित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान के समान है। 2023-24 के वास्तविक के अनुसार, जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 6.7% था।

तालिका 5: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	90,724	1,02,097	96,116	-6%	1,09,157	14%
राज्य के स्वयं गैर कर	19,926	20,603	21,895	6%	21,399	-2%
केंद्रीय करों में हिस्सेदारी	88,665	95,753	1,01,020	6%	1,11,662	11%
केंद्र से सहायतानुदान	34,711	44,892	42,977	-4%	48,661	13%
राजस्व प्राप्तियां	**2,34,026**	**2,63,344**	**2,62,009**	**-1%**	**2,90,879**	**11%**
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	375	474	3,921	727%	5,556	42%
शुद्ध प्राप्तियां	**2,34,401**	**2,63,819**	**2,65,930**	**0.8%**	**2,96,435**	**11%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

- 2025-26 में **राज्य जीएसटी** के स्वयं कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत (39% हिस्सा) होने का अनुमान है। 2024-25 के संशोधित अनुमानों की तुलना में राज्य जीएसटी राजस्व में 12% की वृद्धि होने का अनुमान है।
- 2025-26 में बिक्री कर/वैट से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण की तुलना में 18% अधिक होने की उम्मीद है।
- 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 2025-26 में राज्य उत्पाद शुल्क 13% अधिक होने का अनुमान है।

ऋण और अग्रिम

2025-26 में राज्य ने 5,556 करोड़ रुपए की गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियों का अनुमान लगाया है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 42% अधिक है। इसमें से 5,500 करोड़ रुपए राज्य में बिजली वितरण कंपनियों को दिए गए स्थायी ऋणों की वसूली से मिलने का अनुमान है। 2024-25 में संशोधित अनुमान के अनुसार इन ऋणों की वसूली से 3,865 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। 2024-25 में बजट चरण में यह 350 करोड़ रुपए अनुमानित था।

तालिका 6: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	37,791	40,000	37,498	-6%	42,140	12%
सेल्स टैक्स/वैट	17,863	21,000	19,300	-8%	22,698	18%
राज्य उत्पाद शुल्क	13,524	16,000	15,500	-3%	17,500	13%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	10,331	12,500	12,000	-4%	13,920	16%
वाहन कर	4,605	5,500	5,100	-7%	5,700	12%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	4,207	5,000	4,534	-9%	5,000	10%
भूराजस्व	1,079	701	812	16%	835	3%

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व बजट, मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

मध्य प्रदेश के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन एक्ट, 2005 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान है।

राजस्व संतुलन: यह सरकार के राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है। राजस्व घाटे का यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जोकि भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं करेगा और न ही देनदारियों को कम करेगा। राज्य को 2025-26 में 618 करोड़ रुपए (या जीएसडीपी का 0.04%) का राजस्व घाटा होने का अनुमान है। मध्य प्रदेश ने वर्ष 2026-27 और 2027-28 में राजस्व संतुलन हासिल करने का अनुमान लगाया है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4.7% रहने का अनुमान है। 2025-26 के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को जीएसडीपी के 3% तक राजकोषीय घाटे की अनुमति दी है। बिजली क्षेत्र में सुधार के लिए जीएसडीपी के 0.5% तक अतिरिक्त उधार लेने की गुंजाइश भी उपलब्ध होगी। केंद्र सरकार राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए 50 वर्ष का ब्याज मुक्त ऋण भी प्रदान करती है जो राज्यों की उधार सीमा में शामिल नहीं है।

संशोधित अनुमान के अनुसार, 2024-25 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4.2% रहने का अनुमान है। यह जीएसडीपी के 4.1% के बजट अनुमान से कुछ अधिक है।

बकाया ऋण: बकाया ऋण एक वित्तीय वर्ष के अंत में कुल उधार का संचय होता है। 2025-26 के अंत में बकाया ऋण जीएसडीपी का 31.3% होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 30.7%) से अधिक है।

रेखाचित्र 2: राजस्व एवं राजकोषीय संतुलन (जीएसडीपी का %)

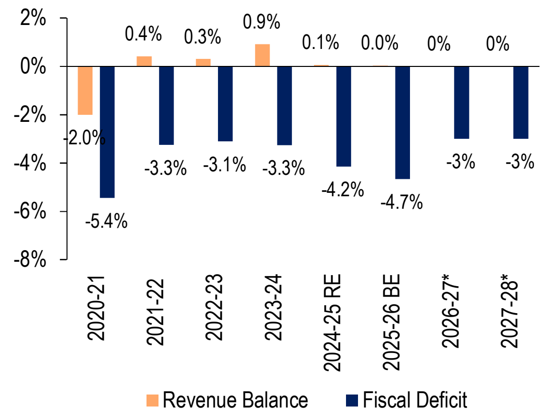

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। नेगेटिव आंकड़े घाटे का संकेत हैं। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: बकाया ऋण (जीएसडीपी का %)

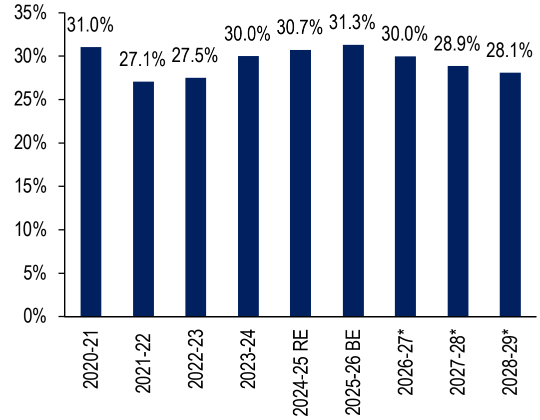

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं; BE बजट अनुमान है। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

बकाया सरकारी गारंटी: राज्यों के बकाया ऋण में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं हैं जो आकस्मिक प्रकृति की हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में चुकाना पड़ सकता है। राज्य सरकारें वित्तीय संस्थानों से राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसई) के उधार की गारंटी देती हैं। 31 दिसंबर, 2024 तक राज्य की बकाया गारंटी 43,701 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो मध्य प्रदेश की जीएसडीपी का 3% है।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में मध्य प्रदेश के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत, उस क्षेत्र में 31 राज्यों (मध्य प्रदेश सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2024-25 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।[1]

- **शिक्षा**: मध्य प्रदेश ने 2025-26 में अपने व्यय का 13.8% शिक्षा के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आवंटन (15%) से कम है।
- **स्वास्थ्य**: मध्य प्रदेश ने 2025-26 में अपने व्यय का 6.4% स्वास्थ्य के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आवंटन (6.2%) से थोड़ा अधिक है।
- **ग्रामीण विकास**: मध्य प्रदेश ने 2025-26 में अपने व्यय का 4.1% ग्रामीण विकास के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा ग्रामीण विकास के लिए औसत आवंटन (5.1%) से कम है।
- **ऊर्जा**: मध्य प्रदेश ने 2025-26 में अपने व्यय का 9.2% ऊर्जा के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा ऊर्जा के लिए औसत आवंटन (5%) से अधिक है।

[1] 31 राज्यों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और पुद्दूचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

- **जलापूर्ति और स्वच्छता**: मध्य प्रदेश ने 2025-26 में जलापूर्ति और स्वच्छता पर अपने व्यय का 5.4% आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा जलापूर्ति और स्वच्छता पर औसत आवंटन (2.5%) से अधिक है।
- **सिंचाई**: मध्य प्रदेश ने 2025-26 में सिंचाई पर अपने व्यय का 4.6% आवंटित किया है। यह 2024-25 में राज्यों द्वारा सिंचाई के लिए औसत आवंटन (3.4%) से अधिक है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

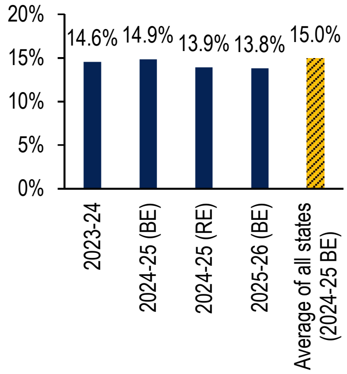

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

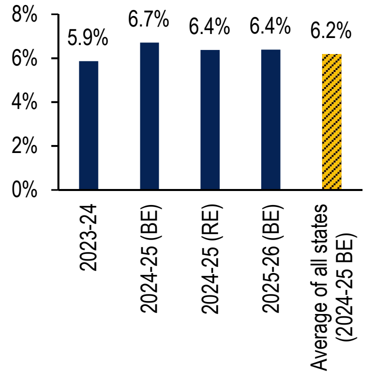

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

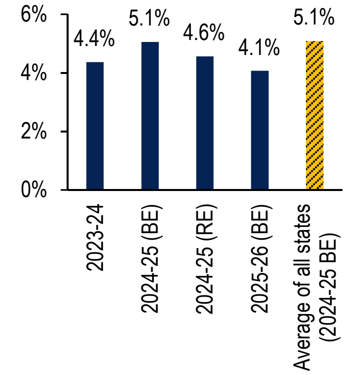

कुल बजट में ऊर्जा पर व्यय का प्रतिशत

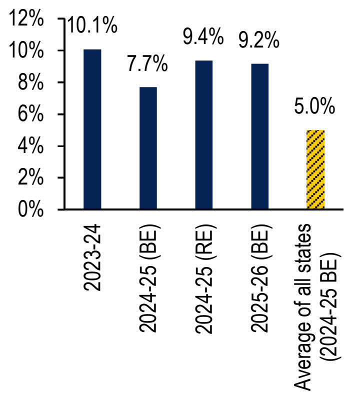

कुल बजट में जलापूर्ति एवं स्वच्छता पर व्यय का प्रतिशत

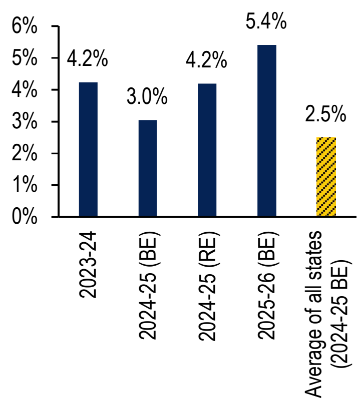

कुल बजट में सिंचाई पर व्यय का प्रतिशत

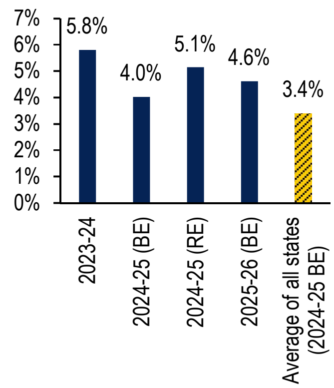

नोट: 2023-24, 2024-25 (बअ), 2024-25 (संअ), और 2025-26 (बअ) के आंकड़े मध्य प्रदेश के हैं।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज 2025-26; विभिन्न राज्य बजट; पीआरएस।

अनुलग्नक 2: 2023-24 के बजटीय अनुमानों और वास्तविक के बीच तुलना

यहां तालिकाओं में 2023-24 के वास्तविक के साथ उस वर्ष के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना की गई है।

तालिका 7: प्राप्तियों और व्यय की झलक (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शुद्ध प्राप्तियां (1+2)	**2,25,845**	**2,34,401**	**4%**
1. राजस्व प्राप्तियां (क+ख+ग+घ)	2,25,710	2,34,026	4%
क. स्वयं कर राजस्व	86,500	90,724	5%
ख. स्वयं गैर कर राजस्व	14,913	19,926	34%
ग. केंद्रीय करों में हिस्सा	80,184	88,665	11%
घ. केंद्र से सहायतानुदान	44,113	34,711	-21%
2. गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	135	375	178%
3. उधारियां	80,100	65,180	-19%
इनमें केंद्रीय कैपेक्स ऋण	9,500	12,636	33%
शुद्ध व्यय (4+5+6)	**2,81,554**	**2,78,886**	**-1%**
4. राजस्व व्यय	2,25,297	2,21,538	-2%
5. पूंजीगत परिव्यय	54,056	56,539	5%
6. ऋण और अग्रिम	2,200	810	-63%
7. ऋण पुनर्भुगतान	24,551	21,636	-12%
राजस्व अधिशेष	**413**	**12,488**	**-3125%**
राजस्व अधिशेष (जीएसडीपी का %)	0.03%	0.9%	
राजकोषीय घाटा	**55,709**	**44,485**	**-20%**
राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)	4.02%	3.3%	

स्रोत: विभिन्न वर्षों के मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 8: राज्य के स्वयं कर राजस्व के घटक (करोड़ रुपए में)

कर स्रोत/मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
भूराजस्व	1,200	1,079	-10%
सेल्स टैक्स/वैट	19,514	17,863	-8%
राज्य उत्पाद शुल्क	13,845	13,524	-2%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	10,400	10,331	-1%
वाहन कर	4,440	4,605	4%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	3,858	4,207	9%
राज्य जीएसटी	32,000	37,791	18%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 9: मुख्य क्षेत्रों के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
आवास	8,733	3,536	-60%
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण	8,137	5,785	-29%
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	17,938	15,265	-15%
पुलिस	9,507	8,442	-11%
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	44,949	40,491	-10%
शहरी विकास	7,136	6,553	-8%
ग्रामीण विकास	12,528	12,151	-3%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	16,299	16,310	0%
ऊर्जा	25,276	28,024	11%
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	9,995	11,760	18%
सामाजिक कल्याण एवं पोषण	20,977	27,842	33%
परिवहन	8,848	13,108	48%
जिनमें से सड़कें और पुल	*8,603*	*13,081*	*52%*
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	10,268	16,168	57%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के मध्य प्रदेश बजट दस्तावेज; पीआरएस।